Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2019: 6.251, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, FEB-MAR, 2020, VOL- 8/38

भारत का बोलिविया एवं ग्वाटेमाला के साथ नए व विस्तारित हो रहे संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Ravi Kumar, Ph.D.
Assistant Professor, Mahatma Gandhi International Hindi University, Wardha, Maharashtra-442001 E-mail: jnu.ravi@gmail.com

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

इस शोध पत्र में भारत का लैटिन अमेरिका के दक्षिण अमेरिका से बोलिविया एवं मध्य अमेरिका से ग्वाटेमाला देशों के साथ नवस्थापित व विस्तारित हो रहे संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाएगा । दोनों के साथ 1970 और 1980 के दशक में राजनयिक संबंध स्थापित हो चुका था । परंतु संबंधों में एक नयी गर्माहट पिछले एक दशक के अंतराल में प्रतीत होता है । वर्ष 2014 में भारत में चुनी गई नई सरकार ने ग्वाटेमाला के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने में विशेष पहल ली । साथ ही, बोलिविया के साथ भी संबंधों के विस्तार को देखा जा सकता है ।

भारत-बोलिविया संबंध

भारत एवं बोलिविया के बीच संबंधों में हाल के दिनों में विशेष ऊर्जा आई है जबकि भारत ने 1981 में दूतावात से संबंधित कार्य प्रारंभ किया था जो पेरु दूतावास से संचालित होता था । ऐसा प्रतीत होता है कि बोलिविया ने भारतीय आयात में वृद्धि की संभावना को देखते हुए, राजनयिक/राजनैतिक महत्ता को आंककर एवं समय-समय पर प्राकृतिक आपदा पर भारत सरकार द्वारा प्रदत्त आर्थिक (मानवीय) सहायता के परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2012 में नई दिल्ली में निवासी मिशन (Resident Mission) को खोला । संबंध की महत्ता को आँकते हुए वर्ष 2014

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

में भारत में नई सरकार आगमन के पश्चात बोलिविया की राजधानी ला पास में विदेश कार्यालय परामर्श पर बैठक/ वार्ता हुई । (mea.gov.in, indembassy.org.pe)

राजनयिक/राजनैतिक संबंध

भारत की ओर से उच्चस्तरीय भेंट वार्ता / बैठक /सहयोग /भागीदारी

2016 - संयुक्त सचिव (LAC) – राष्ट्रपति, विकास योजना मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, सार्वजनिक कार्य मंत्री एवं विदेश

मंत्रालय में भेंट वार्ता ।

2018 – रेल राज्य मंत्री (प्रथम मंत्रीस्तरीय भेंट वार्ता) – ऊर्जा, दवाइयाँ, सूचना प्रौधोगिकी, रेलवे, खनन आदि क्षेत्र

में सहयोग के अवसर पर चर्चा ।

विदेश मंत्री का बोलिविया के विदेश मंत्री के साथ UNGA न्यूयार्क में द्विपक्षीय बैठक ।

2019 - राष्ट्रपति (क्षेत्रीय, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय मुद्दों पर वार्ता । आतंकवाद, UNSC सुधार, हाइड्रो कार्बन,

एलएनजी निर्यात, भारत को लिथियम आपूर्ति, आदि पर चर्चा ।

(indembassy.org.pe, mea.gov.in, presidentofindia.nic.in)

बोलिविया की ओर से उच्चस्तरीय भेंट वार्ता / बैठक /सहयोग /भागीदारी

2000- भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री का बोलिविया के उपराष्ट्रपति के साथ Mercosur Economic

Summit, रियो द जनेरो में मुलाक़ात ।

2009 - बोलिविया के उप विदेश मंत्री का भारत आगमन – वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से मुलाक़ात

2016 – विकास योजना मंत्री का भारत आगमन – विदेश राज्य मंत्री एवं रेल मंत्री के साथ भेंट वार्ता । व्यापार

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

संगोष्ठी 'Doing business with India' में भागीदारी ।

2016 - रक्षा मंत्री का DEFEXPO में भागीदारी

(mea.gov.in, indembassy.org.pe)

महत्वपूर्ण समझौता/सहयोग/अनुबंध

1997 – सांस्कृतिक सहयोग के लिए समझौता

2001 – विदेश कार्यालय परामर्श अनुबंध

2019 – सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम

राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारक हेतु वीजा छूट

Bioceanic रेलवे कोरिडोर

ICT उत्कृष्ट केंद्र स्थापना

राजनयिक अकादमी के बीच सहयोग

अंतरिक्ष ख़ोज में सहयोग

पारंपरिक चिकित्सा एवं होमियोपैथी में सहयोग

भूगर्भ विज्ञान एवं खनिज संपदा

(mea.gov.in, indembassy.org.pe)

आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंध

भारत सरकार के वाणिज्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार द्विपक्षीय व्यापार 2009-10 में 13.13 USD मिलियन से 2018-19 में 956.92 USD मिलियन पहुंचा । जिसमें 2014-15 तक भारतीय निर्यात का अंश हमेशा अधिक रहा है । वर्ष 2015-16 से भारतीय निर्यात में थोड़ी कमी आई । तत्पश्चात उतरोत्तर बढ़ता रहा । 2018-19 में निर्यात 852.21 USD मिलियन एवं आयात 104.71 USD मिलियन रहा । भारत बोलिविया को वाहन, दवाइयाँ, प्लास्टिक/रबड़ उत्पाद, कपड़े, लोहा एवं स्टील आदि निर्यात करता है । इस हेतु बोलिविया में भारतीय कंपनियों यथा – हीरो मोटर्स, बजाज़ ऑटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, यूनाइटेड फॉसफोरस

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

लिमिटेड, टेक महिंद्रा आदि की उपस्थिति है । भारत बोलिविया से सोना, खाद, पशु आहार, चमड़ा उत्पाद आदि आयात करने में सम्मिलित रहा है । वर्ष 2012 में भारतीय पारंपरिक नृत्य (ओडिशी) का बोलिविया के कुछ शहरों में मंचन किया गया । वर्ष 2015 से लगातार बोलिविया के कई शहरों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता रहा है । वर्ष 2019 में भारतीय पारंपरिक संगीत का बोलिविया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृति उत्सव में प्रस्तुति दी गई । महात्मा गांधी के 150 वें जन्म वर्षगांठ पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए । यहाँ भारतीय समुदाय के लोंगों की संख्या कम है जो मुख्यतः व्यापार, कृषि, परिवहन आदि से जुड़े हैं । (indembassy.org.pe, mea.gov.in, commerce.gov.in)

भारतीय आर्थिक सहयोग

समय-समय पर भारत ने बोलिविया को आर्थिक (मानवीय) सहायता प्रदान किया है यथा – वर्ष

2007 – 2,00,000 USD, भूस्खलन की समस्या से निपटने के लिए

2008 – 1,00,000 USD, बाढ़ राहत हेतु

2011 - 2,00,000 USD, पुनः बाढ़ राहत हेतु

हाल के दिनों में बोलिविया के समाज में विशेष आध्यात्मिक/ऐतिहासिक महत्व रखने वाले तिवानाका पुरातत्व स्थल (Tiwanaka Archeological Site) के लिए 31,000 USD प्रदान किया है । साथ ही, सोलर प्रकाश एवं ग्रामीण प्रबंधन योजना को भी वित्तीय सहायता प्रदान किया है । भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के माध्यम से 10 स्कॉलर्शिप भी उपलब्ध है । (mea.gov.in, indembassy.org.pe)

भारत – ग्वाटेमाला संबंध

भारत का मध्य अमेरिका में ग्वाटेमाला देश के साथ संबंध महत्वपूर्ण उद्देश्य रखता है । भारतीय निर्यात के उद्देश्य से यह देश हाल के दिनों में विशेष महत्व का रहा है । पिछले एक दशक में ग्वाटेमाला में भारतीय निर्यात उतरोत्तर बढ़ता रहा है ।

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

हालांकि, एक-दो वर्ष निर्यात कुछ अपरिहार्य कारणों से प्रभावित रहा । इस आवश्यकता व अन्य राजनयिक/राजनैतिक उद्देश्य के कारण भारत ने ग्वाटेमाला में 2011 में एवं ग्वाटेमाला ने भारत में वर्ष 2014 में दूतावासों को आरंभ (उद्घाटन) किया । जबकि दोनों के बीच राजनयिक संबंध 70 के दशक में स्थापित हो चुका था । आरंभिक दौर में दोनों देशों के बीच 1981 में व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के लिए समझौता पर हस्ताक्षर किया गया था । भारत एवं ग्वाटेमाला के बीच आयात/निर्यात में इलायची के मुद्दे पर 1983 में इलायची निर्यात सहयोग के लिए समझौता पर भी हस्ताक्षर किया गया । वर्ष 2005 से संबंधों में एक नया आयाम देखने को मिलता है । (mea.gov.in, indemguatemala.org)

राजनयिक/राजनैतिक संबंध

द्विपक्षीय उच्चस्तरीय भेंट वार्ता/ भागीदारी/ बैठक / सहयोग

2005 – विदेश मंत्री (ग्वाटेमाला) का भारत आगमन

2007 - विदेश मंत्री (भारत) का ग्वाटेमाला गमन

- विदेश मंत्री (ग्वाटेमाला) का भारत आगमन

2008 - विदेश मंत्री (ग्वाटेमाला) का भारत आगमन – भारत-SICA बैठक में भागीदारी

2011 - विदेश राज्य मंत्री (भारत) – ग्वाटेमाला में दूतावास उदघाटन

2014- विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव (पश्चिम) एवं संयुक्त सचिव (LAC) – प्रथम विदेशी कार्यालय

परामर्श हेतु बैठक में भागीदारी

- विदेश मंत्री, उप विदेश मंत्री, वित्त मंत्री एवं व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल (ग्वाटेमाला) का VI भारत –

LAC निवेश कोंकलेव में भागीदारी

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

2015 – विदेश राज्य मंत्री (भारत) का ग्वाटेमाला में भारत-SICA विदेश मंत्री बैठक में भागीदारी

- उप विदेश मंत्री का भारत में आयोजित भारत-LAC कोंकलेव में भागीदारी

2017 – उप प्रौधोगिकी, सूचना और संचार मंत्री (ग्वाटेमाला) का भारत में साइबर सुरक्षा काँग्रेस में भागीदारी

-उप प्राकृतिक संपदा एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री (ग्वाटेमाला) का भारत में पर्यावरण से जुड़े मुद्दे पर बैठक

में भागीदारी

2018 – उप वित्त एवं विदेशी व्यापार एकीकरण मंत्री (ग्वाटेमाला) का WTO बैठक में भागीदारी

- भारतीय उपराष्ट्रपति, जनजातीय मामलों के मंत्री, सांसदों के प्रतिनिधि मंडल के साथ ग्वाटेमाला में भेंट

वार्ता

(mea.gov.in, indemguatemala.org, vicepresidentofindia.nic.in)

वर्ष 2005 से दोनों देशों के विदेश मंत्री का अलग अलग मुद्दों पर परस्पर भागीदारी बनी रही । दोनों देशों के बीच के संबंधों में नयी गर्माहट को वर्ष 2014 में भारत में नयी सरकार आगमन के पश्चात बढ़ते द्विपक्षीय भेंट वार्ता/ बैठक/ सहयोग/ भागीदारी से समझा जा सकता है । वर्ष 2015 में राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छूट पर सहयोग एवं वर्ष 2018 में राजनयिक अकादमियों के बीच सहयोग के लिए समझौता/अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए । साथ ही, वर्ष 2018 में भारतीय उपराष्ट्रपति के ग्वाटेमाला यात्रा के दौरान ग्वाटेमाला के अँग्रेजी भाषा के शिक्षकों को भारत में विशेष कोर्स के लिए आमंत्रित करने पर सहमति बनी । इस यात्रा में उपराष्ट्रपति ने शिक्षा, संस्कृति,

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

व्यापार एवं निवेश, कृषि, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, आदि पर वार्ता की । क्षेत्रीय के साथ बहुपक्षीय मुद्दों (यूएनएससी सुधार, आतंकवाद, सतत विकास), आदि पर चर्चा किए । (mea.gov.in, indemguatemala.org) उपराष्ट्रपति ने वहाँ के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद स्पीकर से भेंट वार्ता की । (vicepresidentofindia.nic.in) वार्ता के दौरान ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति ने इच्छा व्यक्त किया कि उसका देश 'भारत के सफल आर्थिक कहानी' से लाभ प्राप्त कर सकता है एवं विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने पर बल दिया । वे सहमत हुए कि दोनों देश गरीबी, आर्थिक असमानता, आतंकवाद, आदि चुनौती का सामना कर रहे हैं । (businessworld.in) यह सहमति बनी कि ग्वाटेमाला वर्ष 2021-22 के लिए भारत की UNSC में सदस्यता के लिए एवं भारत वर्ष 2031-32 के लिए ग्वाटेमाला की UNSC में सदस्यता के लिए समर्थन करेगी । (sentinelassam.com)

आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंध

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ता रहा है । भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के स्रोत से पता चलता है कि 2007-08 में द्विपक्षीय व्यापार 78.44 USD मिलियन था जो 2014-15 में 246.13 USD मिलियन एवं 2018-19 में 321.64 USD मिलियन पहुंचा । इस पूरे समयान्तराल में भारतीय निर्यात का अंश अधिकाधिक रहा जबकि ग्वाटेमाला से आयात का अंश कम रहा । भारतीय निर्यात की अधिकता को इस कदम से आँका जा सकता है कि भारतीय व्यापारिक संगठनों/समूहों का लगातार ग्वाटेमाला में आवागमन रहा । वर्ष 2005 से PLEXCONCIL, Coffee Board, Spice Board of India, EEPC, TEXPROCIL, PHARMEXCIL, CHEMEXCIL, TEXPROCIL, PLEXCONCIL, CERAMICS, SRTEPC, आदि व्यापारिक संगठनों/समूहों का ग्वाटेमाला में प्रतिनिधि मंडल के रूप में भेंट वार्ता / बैठक / व्यापारिक मिलन आदि में उपस्थिति बनी रही । फलस्वरूप, भारत ग्वाटेमाला को वाहन, कपड़ा, दवाइयाँ, लोहा एवं

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

स्टील/रबड़/प्लास्टिक/रसायनिक उत्पाद, मशीन आदि निर्यात करने में सम्मिलित है । जिसके कारण ग्वाटेमाला में भारतीय कंपनियों यथा – वाहन के क्षेत्र में महिंद्रा, बजाज़, हीरो, आदि, दवाई के क्षेत्र में -हिमालय, सेवेन फार्मा, सिप्ला, एमएसएम लैब्स, आदि, अन्य क्षेत्रों में – रेमंड, प्रज इंडस्ट्रीज, मेडिमिक्स, निरमा आदि की सराहनीय उपस्थिति प्रतीत होता है । साथ ही, भारत ग्वाटेमाला से लकड़ी/चीनी उत्पाद, एल्यूमिनियम, इलायची, कॉफी आयात करता है । वर्ष 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित होता रहा है । साथ ही, वहाँ भारतीय आध्यात्मिक संगठनों/संस्थाओं यथा – ब्रहमकुमरीज, चिन्मय मिशन, हरे कृष्ण, सत्य साईं बाबा आदि के अनुयायी हैं । समय-समय पर भारतीय पारंपरिक नृत्य ओडिशी का मंचन, भारतीय उत्सवों यथा – होली, दिवाली, आदि का आयोजन, भारतीय गीत/ संगीत/फ़िल्म आदि का आयोजन होता रहा है । (mea.gov.in, indemguatemala.org, commerce.gov.in)

भारतीय आर्थिक सहयोग

2005 – 50,000 USD का दवाई

36 बजाज तिपहिया

2009 – 2,50,000 USD (खाद्य सुरक्षा से संबंधित)

2012 – 1,00,000 USD (भूकंप राहत हेतु)

2014 – 2,00,000 (सूखा राहत के लिए)

2015 – सोलर ऊर्जा द्वारा संचालित ट्रेफिक सिग्नल

2018 – 1,00,000 USD आपदा राहत (Fuego ज्वालामुखी के विस्फोट के कारण)

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग द्वारा स्कॉलर्शिप उपलब्ध है ।

(mea.gov.in, indemguatemala.org)

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

निष्कर्ष :

भारत एवं बोलिविया के बीच स्थापित नए संबंध के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि 2014 में बनी नई सरकार ने अपने कार्यकाल में संबंधों के आयामों को विस्तारित किया है । वर्ष 2014 में विदेश कार्यालय परामर्श पर बैठक/वार्ता के पश्चात 2016 एवं 2018 में दोनों तरफ से कई उच्च स्तरीय भेंट वार्ता/ भागीदारी हुई । भारत सरकार की ओर से महत्वपूर्ण पहल वर्ष 2019 में ली जब भारतीय राष्ट्रपति बोलिविया गए । वहाँ इस यात्रा के दौरान आठ समझौतों/अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए एवं सूचना प्रौधोगिकी उत्कृष्ट केंद्र स्थापना हेतु 100 USD मिलियन का ऋण व्यवस्था (Line of Credit) भी प्रदान किया गया । (mea.gov.in) बोलिविया ने भारतीय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बोलिविया के उच्चतम सम्मान 'Condor de los Andes en el Grado de Gran Collar' से सम्मानित किया है । (presidentofindia.nic.in) दोनों देश स्वास्थ्य, खनिज संपदा, सूचना प्रौधोगिकी, आधारिक संरचना, विकास सहयोग, आदि के क्षेत्र में बेहतर सहयोग हेतु प्रयासरत है । (mea.gov.in) अतः भविष्य में संबंधों के और अधिक विस्तार होने की प्रबल संभावना है ऐसा प्रतीत होता है ।

भारत एवं ग्वाटेमाला के बीच के संबंधों को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है । एक राजनयिक संबंध स्थापना से 2004 तक जिसमें दो आधारगत/महत्वपूर्ण समझौतों/अनुबंधों पर वर्ष 1981 एवं 1983 में हस्ताक्षर किया गया था । दूसरा 2005 से अब तक जिसमें दोनों देशों के विदेश मंत्रियों का आवागमन चलता रहा । ग्वाटेमाला एक नवीनतम देश है जहां भारत ने दूतावास खोला है । 2015 एवं 2018 में दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए । (mea.gov.in) आर्थिक दृष्टिकोण से संबंध परस्पर लाभप्रद रहा है क्योंकि द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2007 से लगातार बढ़ता ही रहा है । भारत ने ग्वाटेमाला को आपदा राहत के लिए समय-

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

समय पर आर्थिक (मानवीय) सहायता प्रदान करता रहा है । सांस्कृतिक संबंध में भी प्रगाढ़ता आई है । ऐसा प्रतीत होता है कि भविष्य में इस नवस्थापित संबंध का विस्तारित होने की संभावना है ।

संदर्भ :

Badri-Maharaj, Sanjay (April 2017). India's relations with the Latin America-Caribbean Region Prospects and Constraints, New Delhi: Institute for Defense Studies and Analyses. Extracted from https://idsa.in/system/files/opaper/op_45_latin-america-caribbean-region_0.pdf

Shidore, Sarang (2013). New Frontiers in South-South Engagement Relationship between India and Latin America & the Caribbean, New Delhi: Indian Council of World Affairs. Extracted from https://www.icwa.in/WriteReadData/RTF1984/1498127834.pdf

http://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Bolivia_Relations_-_January_2013_for_XP_Division.pdf

https://mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Bolivia_Relations.pdf

https://mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Bolivia_July_2014_.pdf

http://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Bolivia_Bilateral_Relations08_01__2016.pdf

http://mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Bolivia_January_2016.pdf

https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India_Bolivia_December_2016.pdf

https://mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Bolivia_August_2017.pdf

https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India_Bolivia_Relations_Sept_2019.pdf

https://www.mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/31197/IndiaBolivia_Joint_Statement_during_State_Visit_of_President_to_Bolivia_2830_March_2019

https://mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/31195/List+of+AgreementsMoUs+signed+during+Honble+Presidents+State+Visit+to+Bolivia+March+2830+2019

https://documents1.worldbank.org/curated/en/339531468190181959/pdf/103087-WP-P154195-Box394854B-OUO-8-Bolivia-Gender-Report-ENGLISH-WEB.pdf

https://presidentofindia.nic.in/press-release-detail.htm?1593

https://timesofindia.indiatimes.com/india/president-ram-nath-kovind-arrives-in-bolivia/articleshow/68630319.cms

http://ddnews.gov.in/national/president-ram-nath-kovind-bolivia-3-day-visit

https://www.eoilima.gov.in/

https://www.cancilleria.gob.bo/webmre/

https://commerce.gov.in/

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Guatemala-India_Bilateral_Relations-December_2018.pdf
https://indemguatemala.gov.in/pdf/XP-Brief-Guatemala-India-Bilateral-Relations-June-2017.doc.pdf
https://mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Guatemala_July_2016.pdf
https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Guatemala_09_02_2016.pdf
http://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Guatemala_Relations.pdf
http://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Guatemala-January-2012.pdf
https://www.mea.gov.in/Uploads/PublicationDocs/31719_MEA_AR18_19.pdf
https://www.freepressjournal.in/cmcm/vice-president-m-venkaiah-naidu-reaches-guatemala
https://mea.gov.in/press-releases.htm?dtl/29872/Joint+Press+Statement+on+the+visit+of+Vice+President+to+Guatemala
https://vicepresidentofindia.nic.in/foreign-visits?combine=&field_date_value%5Bvalue%5D&field_date_value_1%5Bvalue%5D&field_date_value_2%5Bvalue%5D&page=3
https://vicepresidentofindia.nic.in/pressrelease/vice-president-india-departs-6-day-visit-guatemala-panama-and-peru
http://www.businessworld.in/article/India-Guatemala-to-support-each-other-for-non-permanent-UNSC-membership-/08-05-2018-148549/
https://commerce.gov.in/international-trade/trade-promotion-programmes-and-schemes/international-trade-focus-lac/
https://www.icwa.in/show_content.php?lang=1&level=3&ls_id=2445&lid=1848
https://www.sentinelassam.com/news/india-guatemala-to-support-each-other-for-unsc-membership/
https://www.hindustantimes.com/india-news/india-looks-to-boost-ties-with-latin-america/story-jbp9eJQB0SVXQgD6hCSxUK.html
https://www.patrika.com/miscellenous-world/vice-president-m-venkaiah-naidu-leaves-first-foreign-trip-2755337/

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language